सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 08 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 8 फरवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

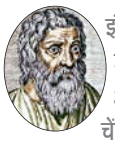

इंसान की डाइट का हर एक तत्व उसके शरीर पर असर डालता है और किसी न किसी तरह उसे चेंज करता है और इन्ही बदलावों पर उसका पूरा जीवन निर्भर करता है।

-हिप्पोक्रेटीस

पंजाब में मुख्य मुकाबला कांग्रेस व... 7 | सड़क पर बेरोजगार बा...निशाने... 3 | उत्तराखंड में सरकार बनने पर... 2

भाजपा के संकल्प पत्र के पहले पेज से केशव मौर्य की तस्वीर हटाये जाने पर विपक्ष का हमला, कहा

पिछड़ों की हैसियत नहीं

» विपक्ष बोला, पिछड़ों के साथ यूज एंड थ्रो वाली नीति पर चल रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले भाजपा ने आज अपने संकल्प पत्र की घोषणा की। संकल्प पत्र के पहले पेज से पिछड़े समाज के बड़े नेता और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य की तस्वीर नहीं होने से साफ हो गया कि अब भाजपा में पिछड़ों की कोई हैसियत नहीं रह गयी है। भाजपा ने यह भी साफ कर दिया है कि पार्टी में केशव की उपेक्षा जारी रहेगी। इस पर विपक्ष ने भाजपा पर हमला किया है। विपक्ष का कहना है कि भाजपा ने पिछड़े वर्ग और उनके नेताओं को यूज और थ्रो किया है। चुनाव में पिछड़े वर्ग के लोग भाजपा को सबक सिखाएंगे।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य

पिछले विधान सभा चुनाव में केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदेश में भाजपा की कमान संभाली थी। उनके कारण ही प्रदेश में पिछड़ा वर्ग भाजपा के साथ जुड़ा था। इसी समीकरण के कारण यूपी में भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बना सकी थी। तब यह अनुमान लगाया गया था कि केशव मौर्य को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा लेकिन भाजपा ने तब उनको दरकिनार कर योगी आदित्यनाथ को प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया। हालांकि केशव को डिप्टी सीएम बनाया गया लेकिन उनको खुलकर काम नहीं करने दिया गया। कई मौकों पर भाजपा नेतृत्व द्वारा उनकी उपेक्षा की गयी। अपने नेता की उपेक्षा से पिछड़े समाज के लोग बेहद नाराज हैं और आज भाजपा के नए संकल्प पत्र में पहले पेज पर केशव की तस्वीर नहीं होने से पिछड़ा समाज सन्न है। गौरतलब है कि संकल्प पत्र के आठवें पेज पर केशव की तस्वीर लगायी गयी है। सियासी गलियारे में इसे खाना पूर्ति माना जा रहा है। इसको लेकर विपक्ष भाजपा पर हमलावर है।

» भाजपा में जारी है पिछड़े समाज के बड़े नेता केशव मौर्य की उपेक्षा

» पहले भी कई मौकों पर डिप्टी सीएम को किया जाता रहा है दरकिनार

संकल्प पत्र में प्रमुख वादे

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों के लिए भाजपा ने आज अपना लोक कल्याण संकल्प पत्र 2022 जारी किया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सीएम योगी के साथ भाजपा का घोषणापत्र जारी किया। इसमें जनता से कई वादे किए गए हैं। इसके तहत भाजपा सरकार बनने पर किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली मिलेगी। गन्ना किसानों को 14 दिन के भीतर भुगतान होगा और देरी होने पर ब्याज मिलेगा। उज्ज्वला योजना के तहत होली और दीवाली पर एक-एक मुफ्त सिलिंडर देंगे। 60 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को मुफ्त यात्रा व हर परिवार को कम से कम एक रोजगार प्रदान करेंगे। हर विधवा और निराश्रित महिला को 1500 प्रति माह का पेंशन मिलेगी। हर परिवार को कम से कम एक रोजगार प्रदान करेंगे। छह मेगा फूड पार्क बनाए जाएंगे। लव जिहाद रोकने के लिए 10 साल की सजा और एक लाख जुर्माने का प्रावधान किया जाएगा। मां अन्नपूर्णा कैंटीन बनाकर गरीबों को सस्ता खाना देंगे। कॉलेज जाने वाली मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी मिलेगी। किसानों को आलू टमाटर एवं प्याज जैसी सभी फसलों पर एमएसपी देंगे समेत कई वादे भाजपा ने किए हैं।

“ भाजपा किसी वर्ग की हितैषी नहीं है। पिछड़ों का आरक्षण कम कर दिया। केशव मौर्य को दरकिनार करने से साफ है कि वह पिछड़ों की हितैषी नहीं है। यही नहीं भाजपा ने पिछले संकल्प पत्र का एक भी वादा पूरा नहीं किया।

सुनील सिंह साजन, एमएलसी, सपा

“ मोदी-योगी की भाजपा यूज एंड थ्रो पर विश्वास करती है। इसने पिछड़े वर्ग के बड़े नेता केशव मौर्य का पहले उपयोग किया फिर दरकिनार कर दिया। इस छल-कपट से पिछड़ा वर्ग बेहद नाराज है और चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगा।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

“ केशव मौर्य भाजपा के मैनिफेस्टो के कवर से गायब हैं, महामहिम राष्ट्रपति को भी राम जन्मभूमि के पूजन में नहीं बुलाया गया था, भाजपा के यही कर्म भाजपा का असली मैनिफेस्टो हैं। बाकी इनका हर वादा सिर्फ झूठ और जुमला होता है, इनके मैनिफेस्टो को जोक बुक कहना उचित होगा।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

“ भाजपा ने सभी वर्गों के साथ धोखा किया है। अब ये जनता को फिर से छलने के लिए आए हैं। सभी वर्ग इनसे नाराज हैं और वोट की चोट से इनको सबक सिखाएंगे।

अनिल दुबे, राष्ट्रीय सचिव, आरएलडी

अखिलेश के साथ आईं ममता, लोगों से सपा के पक्ष में मांगे वोट

» सपा प्रमुख बोले, भाजपा का झूठ का जहाज नहीं उतर पाएगा उत्तर प्रदेश में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के मतदान से पहले तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सपा का समर्थन किया और लोगों से सपा के पक्ष में मतदान की अपील की।

फोटो: सुमित कुमार

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का स्वागत करते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बंगाल चुनाव पर पूरे देश की नजर थी। बंगाल में ममता बनर्जी ने सांप्रदायिक ताकतों को हराने का काम किया। भाजपा न केवल बंगाल में हारी है बल्कि ममता बनर्जी की जीत से पूरे देश में नारी शक्ति का सम्मान बढ़ा। दीदी के आने से भाजपा का झूठ का जहाज अब यूपी में नहीं उतर पाएगा। भाजपा को आज पश्चिम बंगाल में अपनी हार याद आ गयी होगी। दस मार्च को जीत का रसगुल्ला सभी मिलकर खाएंगे।

उन्होंने पीएम मोदी के बिजनौर सभा के रद्द होने पर तंज कसते हुए कहा कि दीदी पश्चिम बंगाल से हवाई जहाज से चली आयीं लेकिन दिल्ली वाले नहीं पहुंच पाए। मौसम खराब होने का हवाला दिया। सच यह है कि भाजपा के लिए यूपी का मौसम खराब हो चुका है। दीदी ने तमाम साजिशों का सामना किया। वहीं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और सीएम ममता बनर्जी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव की तारीफ की। उन्होंने कहा कि भाजपा की रैली चल रही है लेकिन सपा की रैली नहीं हो सकती है। हम चुनाव आयोग के निर्देशों को मान रहे हैं। बंगाल चुनाव में सपा ने तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में प्रचार किया था। उन्होंने कहा कि देश को अगर भाजपा से बचाना है तो अखिलेश यादव और सपा को सपोर्ट करिए।

उत्तराखंड में सरकार बनने पर चारधाम के लिए अलग विभाग बनाएगी कांग्रेस

» कैबिनेट स्तर के मंत्री के साथ वरिष्ठ सचिव की भी करेंगे नियुक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल चारधाम चार काम घोषणा के बाद पार्टी ने इससे आगे का रोडमैप भी जनता के सामने रख दिया है। सरकार बनने पर पार्टी ने चार प्रमुख घोषणाओं को अमलीजामा पहनाने के लिए चारधाम चार काम अलग विभाग बनाने की घोषणा की है। इसके साथ एक कैबिनेट स्तर के मंत्री को विभाग की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस विभाग का सचिव एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी होगा। यह विभाग प्रतिवर्ष अपनी प्रोग्रेस रिपोर्ट वेबसाइट के माध्यम से जनता के सामने रखेगा।

राजीव भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रवक्ता प्रो. गौरव वल्लभ ने बताया कि 10 मार्च को कांग्रेस की सरकार बनने पर चारधाम चार काम एक नया विभाग बनाया जाएगा। इस विभाग का अलग से कैबिनेट मंत्री होगा, जबकि एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। यह विभाग प्रतिवर्ष अपनी प्रोग्रेस रिपोर्ट लोगों के सामने रखेगा। इस रिपोर्ट में प्रतिवर्ष बताया जाएगा कि कितने युवाओं को रोजगार मिला। कितने गांव- कितने घरों तक स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाया गया। उन पांच लाख लोगों का विवरण भी होगा, जिन्हें सरकार प्रतिवर्ष 40 हजार रुपए की स्वावलंबन राशि देगी। इसके अलावा पांच सौ के भीतर उत्तराखंड के सभी परिवारों को मिलने वाले गैस सिलेंडर का विवरण भी होगा। यह रिपोर्ट प्रतिवर्ष उत्तराखंड वासियों के समक्ष वेबसाइट के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी।

चार धामों का भाजपा ने किया अपमान

प्रो. गौरव वल्लभ ने कहा कि भाजपा ने उत्तराखंड के चार धामों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह उत्तराखंडी स्वाभिमान और हमारे चारों धामों का अपमान कर के चले गए, लेकिन मुख्यमंत्री धामी के मुख से एक शब्द उनके विरोध में नहीं निकला। कांग्रेस पार्टी उनके इस वक्तव्य की घोर निंदा करती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड वासियों के लिए चार धाम का मतलब बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी ओछी राजनीति के लिए हमारे धर्म की आस्था का मजाक बना रही है। उन्होंने इसके लिए भाजपा को जनता से माफी मांगने की सलाह दी है।

गोरखपुर में सीएम योगी के सामने सपा की सभावती

» सपा ने 24 और उम्मीदवारों का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने 24 उम्मीदवारों की सांतवी सूची जारी कर दी है। इसमें गोरखपुर सीट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने भाजपा के कद्दावर नेता स्व. उपेंद्र दत्त शुक्ला की पत्नी सुभावती शुक्ला को प्रत्याशी बनाया है। इस सूची में पार्टी के कई कद्दावर नेताओं को उम्मीदवार बनाया गया है। पार्टी की ओर से जारी 24 लोगों की सूची में छह ब्राह्मण, चार कुर्मी, तीन यादव, तीन दलित, दो ठाकुर, दो मुस्लिम उम्मीदवार हैं। गोरखपुर सीट से भाजपा के वरिष्ठ नेता उपेंद्र दत्त शुक्ला की पत्नी सुभावती शुक्ला खओ उम्मीदवार बनाया गया है।

वर्ष 2017 में योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने पर गोरखपुर लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में उपेंद्र दत्त शुक्ला चुनाव लड़े, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पडा। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने यहां से रवि किशन शुक्ल को टिकट दे दिया। वर्ष साल 2020 में उपेंद्र शुक्ला की मृत्यु हो गई। उनके परिजनों ने भाजपा पर अनदेखी का आरोप लगाया और चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद सपा का दामन थाम लिया।

लखनऊ में ममता दीदी, अखिलेश ने किया स्वागत

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लखनऊ में हैं। कल देर रात एयरपोर्ट पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनका स्वागत किया। इस दौरान अखिलेश ने चुनावी हालात पर चर्चा की। प्रदेश में दो दिवसीय दौरे पर बंगाल की मुख्यमंत्री सपा के साथ खुले तौर पर होने का संदेश देगी। वह यूपी चुनाव के जरिए 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव का भी संदेश देंगी। सियासी रणनीतिकारों का मानना है कि बंगाल चुनाव के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि वह देशभर में भाजपा को उखाड़ने के लिए कार्य करेगी।

चुनाव ड्यूटी में लगे लोगों को मिलेगा च्यवनप्राश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोविड संक्रमण के चलते विधानसभा चुनाव-2022 में पीठासीन अधिकारी का झोला और भी भारी होने जा रहा है। झोले में चुनाव सामग्री के साथ ही इलाज का भी इंतजाम होगा। पहली बार कर्मचारियों को मास्क, ग्लव्स और सेनेटाइजर की शीशी दी जाएगी। पीठासीन अधिकारी के पास मेडिकल किट अलग से होगी। इसमें च्यवनप्राश, आंखों की दवा सहित अन्य शामिल है। 62 जोनल और 390 सेक्टर मजिस्ट्रेटों के पास पर्याप्त दवाएं होंगी।

वहीं ईवीएम की सुरक्षा की जिम्मेदारी पीठासीन अधिकारी की होगी। इसके अलावा अगर किसी वोटर में कोरोना के लक्षण हैं। उसे आखिरी घंटे में मतदान का मौका मिलेगा। जरूरत पड़ने पर पीपीई किट दी जाएगी। पीठासीन अधिकारियों के झोले में इलाज का भी इंतजाम होगा। चुनावी ड्यूटी में लगे अफसरों और कर्मचारियों को यात्रा भत्ता और नाश्ता के पैसे दिए जाएंगे। पीठासीन अधिकारी को 1550 रुपये मिलेंगे। मतदान कर्मचारी प्रथम को 1150 रुपये, मतदान कर्मचारी द्वितीय को 900, मतदान कर्मचारी तृतीय को 850 रुपये मिलेंगे। रिजर्व पीठासीन अधिकारियों को 850 रुपये मिलेंगे।

कैबिनेट मंत्री नंदी ने नामांकन के बाद बिना परमिशन निकाला जुलूस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रयागराज से शहर दक्षिणी सीट से भाजपा प्रत्याशी कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने खुलेआम आदर्श आचार संहिता की उड़ाई और जिला प्रशासन मूकदर्शक बना रहा। नामांकन करने के बाद मंत्री नंदी ने मीरापुर स्थित ललिता देवी मंदिर में दर्शन कर जुलूस निकाल कर आदर्श आचार संहिता का खुलेआम उलंघन किया। नंदी अपनी पत्नी मेयर अभिलाषा गुप्ता के साथ बाकायदा ट्रक पर बने रथ पर सवार होकर प्रचार कर रहे थे, मानो जैसे विजय जुलूस निकाल रहे हो।

जुलुस में बाकायदा डीजे बज रहा था चारों तरफ लाउड स्पीकर बज रहा था, हजारों कार्यकर्ता हाथों में झंडा व माला-फूल लेकर स्वागत कर रहे थे। जुलुस अतरसुइया, मुट्ठीगंज व कोतवाली थाना क्षेत्र की सड़कों पर घूम-घूम कर आदर्श आचार संहिता का खुलेआम मजाक उड़ाता रहा लेकिन किसी भी पुलिस अधिकारी व निर्वाचन अधिकारी ने जुलुस को रोकने या कार्यवाही करने की हिम्मत नहीं जुटा सका। इस मामले में रिटर्निंग अफसर शहर दक्षिणी सुदामा वर्मा से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि जुलुस निकालने का कोई परमिशन नहीं है, इसके बावजूद जुलुस निकाला गया है तो ये गलत है। मामले की जांच होगी, कार्रवाई भी की जाएगी।

वेस्ट यूपी में 11 जिलों के 58 अखाड़ों में योद्धाओं का इम्तिहान

» पहले चरण में आज थम जाएगा चुनाव प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के रण में पश्चिम के 11 जिलों के 58 अखाड़ों में आज योद्धाओं का इम्तिहान है। सियासी दलों में आखिरी दौर की जुबानी जंग और जोर-आजमाइश जारी है। सियासी दलों की बात करें तो उनका सारा जोर अब ध्रुवीकरण पर है। पश्चिमी यूपी में सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा रहा है। हर जाति-संप्रदाय की सुरक्षा के मुद्दे समय-समय पर उठते रहे हैं। यही कारण है कि भाजपा बार-बार सपा शासनकाल में हुए दंगों का जिक्र कर रही है।

भाजपा हर चुनावी सभा में यह बताती है कि योगी सरकार में कोई दंगा नहीं हुआ। वहीं, सपा-रालोद गठबंधन दंगों का जिम्मेदार भाजपा को ठहरा रहा है। वहीं कानून-व्यवस्था भी पश्चिमी यूपी में बेहद अहम मुद्दा है। यह सच है कि छोटी-छोटी बातों पर फसाद यहां आम बात रही है। सड़कों पर लूट और रंगदारी की वसूली को लेकर यहां खूब सवाल उठते रहे हैं। कॉलेज जाने वाली छात्राओं से छेड़छाड़ की घटनाओं पर प्रतिक्रिया ने कई बार यहां बड़ा रूप लिया है। भाजपा इन सब सवालों को हर मंच से उठाकर वोट मांग रही है। वहीं, सपा और रालोद का गठबंधन इन्हीं मुद्दों पर सरकार को घेर भी रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव इसे 'ठोको नीति' बताते हुए एक वर्ग विशेष पर भाजपा के निशाना साधने का आरोप लगाते हैं। बसपा दलित उत्पीड़न की बात करती है। यानी सभी इस मुद्दे को अपने-अपने तरीके से उठाकर अपने टारगेट वोटर को साध रहे हैं।

मुद्दे इतने सारे फिर भी दलों का जोर ध्रुवीकरण पर

पश्चिमी यूपी में मुद्दों की लंबी फेहरिस्त है। इसके बाजवूद सभी दल ध्रुवीकरण पर फोकस कर रहे हैं। भाजपा पूरी तरह से ध्रुवीकरण कराने के चक्कर में है, तो सपा भी इसी तरह से लामबंदी कराना चाह रही है। पक्ष-विपक्ष दोनों ने ही इसके लिए पूरी ताकत लगा रखी है।

सड़क पर बेरोजगार बा...निशाने पर यूपी सरकार

का बा पार्ट तीन लाने वाली नेहा सिंह राठौर का गाना फिर वायरल

» भोजपुरी गायक ने लिंचिंग व गायों के हालात पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भोजपुरी गायक नेहा सिंह राठौर का एक और चुनावी गीत आया है। ये गाना भी पहले के दो गानों की तरह वायरल हो गया है। नेहा सिंह राठौर ने इस भोजपुरी गाने में एक बार फिर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने इस गाने में अखलाक की लिंचिंग पर बात की है, गायों के हालात पर बात की है। वहीं नेहा सिंह राठौर ने इस गाने में बेरोजगारी पर भी सवाल उठाए हैं। वहीं हाल में जो पेपर लीक हुआ था। उस पर भी नेहा सिंह राठौर ने सवाल उठाए हैं। भर्ती न निकालने पर भी तंज कसा है। नेहा सिंह राठौर ने यूट्यूब पर ये गाना करीब 10 लाख लोग देख चुके हैं। वहीं ट्विटर पर भी नेहा ने ये गाना शेयर किया है, उनके इस गाने पर भी कई लोग कमेंट कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा कि इस गाने को और कितने पार्ट आएंगे, एक एक पार्ट दरबारी कवियों का कलेजा छलनी करता जा रहा है। सनी सिंह नाम के यूजर ने भी उनके गाने की भाषा की तारीफ की है। डॉ राहिला ने लिखा कि मुझे खुशी है कि आपने इलाहाबाद के स्टूडेंट्स की पीड़ा को का-बा में दिखाया। सोशल मीडिया पर अधिकतर यूजर्स का यही कहना है कि 10 मार्च को सरकार किसकी भी आए पर का बा सही है। सवाल जिसकी सरकार होगी आखिर उसी से पूछा जाएगा। नौजवानों को रोजगार तभी मिलेगा जब सरकार उनकी सुनेगी। ऐसे में का बा सटीक गीत है। इसके जरिए कम से कम सरकार की आंख तो खुलेगी। इससे पहले नेहा ने सरकार के पक्ष में गाने वालों पर पिछले दिनों कटाक्ष भी किया और कहा कि मैं चारण और भाट कवियों की तरह नहीं गा सकती, मैं जनता की बात करती हूं। लोगों की नैतिक जिम्मेदारी है कि सुनिए और शेयर कीजिए। गाने की एक-एक लाइन को सुनिएगा, मैं किसी विपक्ष की दलाली नहीं कर रही। उन्होंने कहा है कि मेरा नया गीत भी जनता के इश्यू पर है।

यूजर्स ने किया सपोर्ट

वहीं कई यूजर ने ये भी लिखा कि आप ऐसे ही लिखते रहो, जो जलते हैं उन्हें जलने दो। हालांकि कई लोगों ने नेहा सिंह राठौर को वीडियो में घेरने की भी कोशिश की है। कई ने उन्हें ट्रोल भी किया है लेकिन ज्यादातर ने उनकी तारीफ ही की है। एक यूजर ने लिखा है कि मरणासन्न लोकभाषाओं के दौर में नेहा सिंह राठौर ने भोजपुरी को मुख्यधारा में ला दिया है। भोजपुरी से सर्वथा अनभिज्ञ लोग भी इस भाषा का आनंद ले रहे हैं। लोकभाषाओं में ऐसे रचनात्मक प्रयोग करने बहुत जरूरी है॥

रवि किशन ने गाया था यूपी में सब बा

भोजपुरी गायक नेहा सिंह राठौर, भाजपा सांसद और अभिनेता रविकिशन के यूपी में सब बा के बाद यूपी में का बा गाने के बाद चर्चा में आईं थीं। इसके बाद यूपी में योगी सरकार के खिलाफ घेरने के लिए विपक्ष ने भी उनके वायरल गाने का सहारा लिया। यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये गाना सुनते हुए नजर आए। नेहा सिंह राठौर यूपी में का बा गाने के कारण सोशल मीडिया पर चर्चा में आईं तो ट्रोल भी हुईं।

सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हो रहीं

जब से नेहा ने यूपी में का बा गाया है तब से सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रही हैं। उन्होंने कई बार लाइव आकर बताया कि ट्रोलर्स उनके बारे में भद्दी-भद्दी बातें भी लिख रहे हैं। नेहा ने ऐसे लोगों को दो टूक जवाब भी दिया कि चाहे जो हो जाए वे पॉलिटिकल सटायर गाती रहेंगी। ट्रोल करने वालों ने नेहा को ऐसी-ऐसी बातें सोशल मीडिया पर कही कि वह लाइव में ही रोने भी लगीं थीं, लेकिन कहा कि वह टूटने वाली लड़की नहीं, लड़ने वाली लड़की हैं।

पीलीभीत में हाशिए पर कांग्रेस, सियासी जमीन पाने के लिए लगा रही जोर

कई दशकों से पार्टी का एक भी प्रत्याशी नहीं जीता चुनाव, सभी सीटों पर उतारे प्रत्याशी

» 1989 से पार्टी का कोई भी उम्मीदवार नहीं पहुंचा विधान सभा, कांग्रेस का कमजोर संगठन बना रोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक रखी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी लड़की हूं लड़ सकती हूं के नारे के साथ चुनाव मैदान में हैं और प्रदेश से पार्टी का सियासी वनवास काटने की जद्दोजहद में लगी हैं। वहीं कई जिलों में पार्टी का जनाधार मजबूत होता नहीं दिख रहा है। इसी क्रम में पीलीभीत में 33 साल से कांग्रेस अज्ञातवास पर है। 1985 में जिले में तीन सीटों पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। उसके बाद 1989 में हुए चुनाव से कांग्रेस का जनपद से कोई उम्मीदवार चुनाव जीत कर विधानसभा नहीं पहुंच सका है। इस बार विधान सभा चुनाव में कांग्रेस अपनी खोई जमीन वापस पाने के लिए जद्दोजहद कर रही है।

जिले की राजनीति में लंबे समय से कांग्रेस हाशिये पर है। लगभग 33 साल से कांग्रेस को जनपद में एक भी सीट जीतने में सफलता नहीं मिली है। इस बार विधान सभा चुनाव की कमान कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव, प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने संभाल रखी है। चारों सीटों पर प्रत्याशी उतारे गए हैं। पार्टी ने बीसलपुर से शिखा पांडे को मैदान में उतारा है। बरखेड़ा से हरप्रीत सिंह चब्बा, सदर विधान सभा से शकील अहमद नूरी और पूरनपुर (सुरक्षित) सीट से ईश्वर दयाल पासवान को टिकट दिया है।

1985 में जीते थे तीन विधायक

पीलीभीत विधान सभा क्षेत्र से 1985 में सैयद अली अशरफी चुनाव जीत कर विधान सभा पहुंचे थे। बीसलपुर विधान सभा से तेज बहादुर गंगवार और पूरनपुर से डा. विनोद तिवारी को जनता ने चुनाव जिताया था। 1985 के बाद जनपद में कांग्रेस पार्टी को जीत नसीब नहीं हो सकी है।

आधी आबादी को साधने की जुगत

साढ़े तीन दशक से अज्ञातवास पर चल रही कांग्रेस जीत दर्ज करने के लिए आधी आबादी को साधने की जुगत में है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा दिया है। उन्होंने 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को यूपी विधान सभा में देने का ऐलान किया है।

जनपद में लंबे समय से पार्टी नेतृत्व विहीन है। जिस वजह से कांग्रेस का संगठन बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक कमजोर होता चला गया। पार्टी में गुटबाजी भी हावी है। जिस वजह से पार्टी के पास जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं की कमी है। विधान सभा चुनाव में वर्चुअल प्रचार शुरू हो चुका है। ऐसे में कांग्रेस के पास युवाओं की कमी उसके लिए घातक साबित हो सकती है। गौरतलब सदर विधानसभा में कांग्रेस ने पांच बार जीत दर्ज की है। 1957 में निरंजन सिंह, 1962 रामरुप सिंह, 1969 अली जहीर, 1980 चरनजीत सिंह और 1985 में सैयद अली अशरफी जीत कर विधान सभा पहुंचे थे। बरखेड़ा विधानसभा में कांग्रेस का 1980 बाबूराम ने खाता खोला था। इस विधानसभा में दूसरी वार पार्टी के उम्मीदवार को जीत नसीब नहीं हुई। पूरनपुर में 1962-67 में मोहनलाल आचार्य, 1980-85 में विनोद कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीत कर विधान सभा पहुंचे थे। बीसलपुर विधान सभा में 1962 दुर्गाप्रसाद ने कांग्रेस को जीत दिलाई। इसके बाद 1974, 1980-85 में तेज बहादुर गंगवार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीत कर विधान सभा पहुंचे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बढ़ता साइबर क्राइम और पुलिस तंत्र

यूपी में साइबर क्राइम का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है। यहां आए दिन लोग साइबर अपराधियों का निशाना बन रहे हैं और उनके खातों से पैसे उड़ाए जा रहे हैं या अन्य तरह की ठगी की जा रही है। वहीं पुलिस इन अपराधियों पर नियंत्रण लगाने में नाकाम साबित हो रही है और थानों में साइबर अपराधों की फाइलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। सवाल यह है कि कड़े कानूनों के बावजूद साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? साइबर थानों के बावजूद पुलिस अपराध पर नियंत्रण लगाने में नाकाम क्यों है? क्या जागरूकता के अभाव में लोग अपराधियों का निशाना बन रहे हैं? क्या पुलिस की लापरवाही के कारण हालत बेकाबू होते जा रहे हैं? क्या लोगों के संपत्ति की रक्षा करना सरकार का दायित्व नहीं है? क्या ऐसे ही प्रदेश को अपराध मुक्त बनाया जा सकता है? क्या बिगड़ती कानून व्यवस्था में निवेश की संभावना की कल्पना की जा सकती है?

इंटरनेट के साथ ही दुनिया में एक नय किस्म का अपराध भी सामने आया। इसे दुनिया में साइबर क्राइम के नाम से जाना जाता है क्योंकि इसमें अपराधी इंटरनेट के जरिए दुनिया के किसी भी कोने में व्यक्ति को अपना शिकार बना लेता है। कई बार तो पीड़ित को कई दिनों बाद मामले की जानकारी हो पाती है। ये अपराधी फोन को हैक कर खाता नंबर ले लेते हैं और इसके जरिए वे लोगों के खाते से पलक झपकते पैसे उड़ा देते हैं। अपराधी लोगों की निजी जानकारियां चुराकर उनको ब्लैकमेल करते हैं। स्थानीय स्तर पर भी साइबर अपराधी सक्रिय रहते हैं। ये एटीएम का क्लोन तैयार कर लोगों की जमा-पूंजी पर हाथ साफ कर देते हैं। उत्तर प्रदेश में पिछले डेढ़ सालों में साइबर क्राइम के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर तक करीब 10290 साइबर अपराध विभिन्न थानों में पंजीकृत किए गए। हालांकि पुलिस ने कुछ साइबर अपराधियों को पकड़ा लेकिन उसकी अपेक्षा अपराध की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। पुलिस की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि पीड़ित यह बताने में असमर्थ होता है कि उसके साथ किसने धोखाधड़ी की और उसका पता क्या है। वहीं पुलिस जब तक अपराधी तक पहुंचने की कोशिश करती है, वह उसकी पहुंच से बहुत दूर जा चुका होता है। सच यह है कि पुलिस इन हाईटेक अपराधियों के सामने टिक नहीं पा रही है। जाहिर है यदि सरकार साइबर अपराध पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे न केवल साइबर थानों की संख्या बढ़ानी होगी बल्कि यहां तैनात पुलिसकर्मियों को सूचना प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित भी करना होगा ताकि वे अपराधियों तक पहुंच सकें। इसके अलावा उसे लोगों को इन साइबर अपराधों के प्रति जागरूक भी करना होगा।

“ यूपी में साइबर क्राइम का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है। यहां आए दिन लोग साइबर अपराधियों का निशाना बन रहे हैं और उनके खातों से पैसे उड़ाए जा रहे हैं या अन्य तरह की ठगी की जा रही है। वहीं पुलिस इन अपराधियों पर नियंत्रण लगाने में नाकाम साबित हो रही है और थानों में साइबर अपराधों की फाइलें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सुरों की जादूगर थीं लता मंगेशकर

मदन गोपाल सिंह

लता मंगेशकर ने चालीस के दशक के अंतिम वर्षों से गाना शुरू किया था। गुलाम हैदर, खेमचंद्र प्रकाश जैसे संगीतकारों से प्रारंभ हुई उनकी यात्रा उस दौर में नौशाद और शंकर-जयकिशन तक पहुंचती है। एक खास बात उनमें यह थी कि उनका स्वभाव अधिकारों को लेकर सचेत था। उस समय फिल्म में क्रेडिट को लेकर पहली लड़ाई लता मंगेशकर ने छेड़ी थी कि गायकों का नाम भी प्रमुखता से पेश किया जाए। वह मामला सबको पता है कि उनकी अनबन मोहम्मद रफी से हो गयी थी। उसकी वजह रिकॉर्ड की बिक्री पर रॉयल्टी देने की मांग थी। मोहम्मद रफी को लगता था कि एक बार गाने के पैसे ले लिये तो रॉयल्टी मांगना सही नहीं है लेकिन लता की राय अलग थी। हमारे देश में रॉयल्टी का सवाल उन्होंने सबसे पहले उठाया।

वे कम उम्र में अभिनय में आ गयी थीं पर इसमें इनका मन नहीं रमा। पिता दीनानाथ मंगेशकर से उन्होंने संगीत की शिक्षा ली थी। उनकी आवाज में एक अलग खासियत होने की वजह से उनका बचपन से काम करना हो सकता है। लता मंगेशकर के निधन के बाद मैंने उनका गाया फिल्म 'रजिया सुल्तान' का गीत- ऐ दिले-नादान सोशल मीडिया पर साझा किया। यह एक लासानी गाना है। इसमें एक स्त्री मेटाफिजिक्स के साथ जुड़ती है। ऐसा गीत गाना अन्य गायिकाओं के लिए लगभग असंभव है। इसमें वे भाव से परे चली जाती हैं। इस गीत को जां निसार अख्तर ने लिखा है और इसकी धुन खय्याम की है। फिल्म 'महल' में खेमचंद प्रकाश के संगीत पर बना गाना आयेगा आनेवाला, लता मंगेशकर के करियर के लिए बेहद अहम गाना था। उस समय आज की तरह बहुत सारी तकनीकी सुविधाएं नहीं थीं। उस खास गाने के लिए खेमचंद्र प्रकाश ने लता मंगेशकर से कहा कि वे दस फीट दूर से चलते और गाते हुए आयें। उस समय ऐसे गाने नहीं होते, जिसमें गीत से पहले कुछ कहा जाए। यह अपने-आप में बड़ी बात थी। लता कुछ पद गाते हुए माइक के करीब आती हैं। उसमें कोई बीट या संगीत नहीं है, केवल उनकी आवाज है। इस प्रयोग का अशोक कुमार समेत गीतकार नक्शब भी विरोध कर चुके थे। तब कमाल अमरोही ने खुद शुरुआती पद लिखे, हालांकि क्रेडिट में इस बात का उल्लेख नहीं है। उस समय लता मंगेशकर के स्टाइल में नूरजहां की गायकी का असर था। लता को समझ में आ गया था कि यह उनका स्टाइल नहीं और उन्हें कुछ अलग ढंग अख्तियार करना होगा। 'महल' फिल्म ने उन्हें यह मौका दिया।

उल्लेखनीय है कि फिल्म आजादी के तुरंत बाद बन रही थी और इसका कथानक इलाहाबाद की पृष्ठभूमि में है। इसमें आनंद भवन के बरक्स एक संगम भवन की परिकल्पना रची गयी है। इसमें रवींद्रनाथ टैगोर की सोच का अक्स भी है, जिन्होंने अपने साहित्य व विचार में स्त्री को केंद्रीय स्थान दिया था। उस परिप्रेक्ष्य में एक रहस्यमय महिला का चित्रण और गीत अद्भुत बन पड़े हैं। 'महल' के गीत की कामयाबी के बाद राजकपूर ने अपनी फिल्मों के साथ लता मंगेशकर को जोड़ लिया। 'आवारा' फिल्म के मशहूर गीत- दम भर जो उधर मुंह फेरे ओ चंदा, के साथ लता मंगेशकर ने अपनी उस खास आवाज को पकड़ लिया और इसके साथ वे नूरजहां के अंदाज से अलग दिशा में घूम जाती हैं। गुलाम हैदर और अनिल विश्वास ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया तो खेमचंद्र प्रकाश ने दृष्टिकोण का अहसास दिया और बताया कि अपनी आवाज के जरिये वे तकनीकी संसाधनों की सीमाओं से परे जाएं। ओपी नैय्यर ने अपने गीतों में लता मंगेशकर को मौका नहीं दिया। लता मंगेशकर नौशाद, एसडी बर्मन, शंकर जयकिशन के साथ कमाल का काम किया। एसडी बर्मन के साथ लता की आवाज और वाद्य यंत्रों की जो ट्यूनिंग मिलती है, वह कहीं और देखने को नहीं मिलती। इस जोड़ी ने छोटी बहर के गानों का भी शानदार प्रयोग किया। जिससे लता में हर किस्म की चुनौती का सामने कर सकने की कुव्वत आयी। उस समय यह प्रयोग पाकिस्तान में इकबाल बानो कर रही थीं। उसके बाद लता एक लहर की तरह गाने लगती हैं, जो बंगाली संगीतकारों के साथ उनके गीतों में देखा जा सकता है। हेमंत कुमार के गीतों का अंदाज कौल की तरह आता है। उदाहरण के लिए, कहीं दीप जले कहीं दिल गीत में आवाज शुरू में खुलती है तो वह फिर वापस नहीं आती। शंकर-जयकिशन ने लता को सिनेमा उद्योग के चलन के साथ बद्ध किया। शुरुआती पच्चीस सालों में लता मंगेशकर एकदम शीर्ष पर हैं. फिर आशा भोंसले का उभार होता है, जिसकी एक बड़ी वजह आरडी बर्मन हैं। वह बदलाव का दौर है और लता एक नयी स्पेस में चली जाती हैं। उस दौर में अपने सुर और आवाज के जादू से अपनी जगह कायम रखना आसान काम नहीं था और यह लता ने किया।

अनोखी आकृतियों से गहराया ब्रह्मांड का रहस्य

मुकुल व्यास

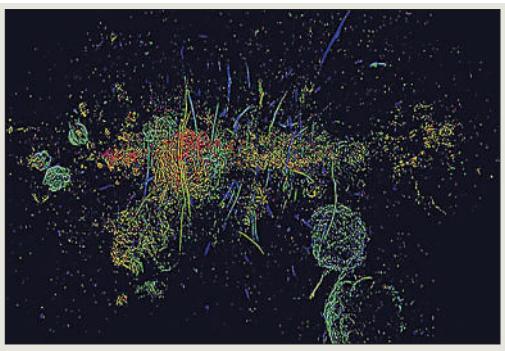

हमारा ब्रह्मांड विचित्रताओं और रहस्यों से भरपूर है। बहुत-सी चीजें अभी तक अज्ञात हैं। खगोल वैज्ञानिक निरंतर इन रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश करते रहते हैं। इस क्रम में उन्होंने कुछ ऐसी अनोखी संरचनाओं का पता लगाया है, जिनके बारे में पहले नहीं सुना गया था। इन संरचनाओं में हजारों प्रकाश वर्ष दूर तक फैली पट्टी, पटाखों की लड़ियों जैसी आकृतियां और प्रचंड ऊर्जा छोड़ने वाले पिंड शामिल हैं। खगोल वैज्ञानिकों ने हाल में पृथ्वी से 55000 प्रकाश-वर्ष दूर एक हाइड्रोजन की लंबी पट्टी खोजी है। उनका कहना है कि यह हमारी मिल्की-वे यानी आकाशगंगा की सबसे बड़ी संरचना है। मैगी नामक हाइड्रोजन की यह विशाल पट्टी 3900 प्रकाश वर्ष लंबी और 130 प्रकाश वर्ष चौड़ी है। यह करीब 13 अरब वर्ष पहले बनी थी। जर्मनी के मैक्स प्लांक एस्ट्रोनॉमी इंस्टिट्यूट के खगोल वैज्ञानिकों के नेतृत्व में एक अंतरराष्ट्रीय दल ने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के गाइया उपग्रह की मदद से इस संरचना की नाप-जोख की है।

अध्ययन के सह-लेखक जुआन सोलेर को एक वर्ष पहले इस संरचना के अस्तित्व के कुछ संकेत मिले थे। उन्होंने अपने देश कोलंबिया की सबसे लंबी नदी के नाम पर इस संरचना का नाम मैगी रखा। आंकड़ों के प्रारंभिक विश्लेषण में मैगी को पहचानना संभव हो गया था लेकिन वर्तमान अध्ययन से ही यह साबित हुआ कि यह एक लंबी पट्टी है। बिग बैंग अथवा ब्रह्मांडीय महाविस्फोट के करीब 380000 वर्ष बाद हाइड्रोजन का निर्माण हुआ था। मिल्की-वे का गठन उससे एक अरब साल पहले हुआ था। हाइड्रोजन ब्रह्मांड में सबसे ज्यादा पाया जाने वाला पदार्थ है लेकिन इस गैस को डिटेक्ट करना बहुत ही दुष्कर कार्य है। इस अध्ययन के प्रथम लेखक जोनास सैयद ने कहा कि पट्टी की लोकेशन से इस खोज में मदद मिली। हम अभी यह नहीं जानते कि ये पट्टी वहां कैसे बनी लेकिन यह मिल्की-वे के समतल करीब 1600 प्रकाश वर्ष तक फैली हुई है। इसकी वजह से हाइड्रोजन से होने वाले विकिरण को पृष्ठभूमि में आसानी से देखा जा सकता है। इससे पट्टी को देखना संभव हो जाता है। मैगी का गहराई से विश्लेषण करने के बाद वैज्ञानिकों ने पाया कि पट्टी में कुछ बिंदुओं पर गैस आकर मिलती है। ये संभवत: वे क्षेत्र हैं जहां गैस जमा होकर बड़े बादलों में तब्दील होती है। शोधकर्ताओं का ख्याल है कि ऐसे क्षेत्रों में आणविक गैस मॉलिक्यूल के रूप में परिवर्तित होती है। नया अध्ययन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। मिल्की-वे में हाइड्रोजन की पट्टी को खोजने में गाइया उपग्रह का बहुत बड़ा योगदान है। यह उपग्रह इस समय मिल्की-वे आकाशगंगा का त्रिआयामी नक्शा तैयार कर रहा है। अपने मिशन के दौरान उसने इसकी संरचना, गठन और विकास के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी हैं। इस उपग्रह को दिसंबर, 2013 में भेजा गया था। तब से यह पृथ्वी की कक्षा से करीब 16 लाख किमी की दूरी पर सूरज की परिक्रमा कर रहा है। अपनी यात्रा के दौरान वह मिल्की-वे की तस्वीरें खींच रहा है और छोटी आकाशगंगाओं के तारों की पहचान कर रहा है जिन्हें काफी समय पहले हमारी आकाशगंगा द्वारा निगल लिया गया था।

गाइया के मिशन के दौरान हजारों पिंडों का पता चलने की उम्मीद है जो अभी तक खोजे नहीं गए हैं। इनमें निकटवर्ती तारों के इर्द-गिर्द घूमने वाले ग्रह, पृथ्वी के लिए खतरा बनने वाले क्षुद्रग्रह और सुपरनोवा विस्फोट शामिल हैं। इस मिशन से भौतिक-खगोलविदों को अंतरिक्ष में डार्क मैटर (अदृश्य पदार्थ) के वितरण के बारे में नई जानकारियां मिलने की उम्मीद है। समझा जाता है कि यह पदार्थ ब्रह्मांड को जोड़े हुए हैं। ब्रह्मांड से आने वाली रेडियो तरंगों की निगरानी करने वाले खगोल वैज्ञानिकों के एक दूसरे दल को एक ऐसे रहस्यमय पिंड का पता चला है जो प्रचंड ऊर्जा उत्सर्जित कर रहा है। ऐसी कोई चीज पहले कभी नहीं देखी गई थी। इस फिरकते हुए पिंड का पता मार्च, 2018 में चला था लेकिन इसकी पुष्टि हाल में हुई है। पृथ्वी से करीब 4000 प्रकाश वर्ष दूर स्थित इस पिंड से हर 18 मिनट में तीव्र विकिरण निकल रहा था। उन क्षणों में यह 'ब्रह्मांडीय प्रकाश स्तंभ' की तरह रेडियो तरंगों का सबसे चमकदार स्रोत बन गया था, जिसे पृथ्वी से भी देखा जा सकता था। खगोल वैज्ञानिकों का ख्याल है कि यह या तो किसी ढह चुके तारे का अवशेष है या कुछ और है। इस अध्ययन की प्रमुख लेखक और भौतिकविद नताशा हर्ले-वॉकर ने कहा कि हमारे पर्यवेक्षण के दौरान यह पिंड कुछ-कुछ घंटों में प्रकट होता रहा और गायब होता रहा। यह हमारे लिए अप्रत्याशित घटना थी। शोधकर्ता टायरोन डोहर्टी ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया स्थित मर्चिसन वाइडफील्ड टेलीस्कोप की मदद से इस अनोखे पिंड की खोज की। इस बीच, मिल्की-वे के मध्य भाग की टेलीस्कोप से ली गई तस्वीर में करीब 1000 रहस्यमय लड़ियों का पता चला है जो अंतरिक्ष में लटकती हुई प्रतीत होती हैं। 150 प्रकाश वर्ष तक फैली हुई ये लड़ियां, जोड़ों या झुंड में हैं और हार्प वाद्य यंत्र के तारों की तरह समान दूरी पर स्थित हैं। अमेरिका की नार्थ वेस्टर्न यूनिवर्स यूनिवर्सिटी के खगोल वैज्ञानिक फरहद यूसफ-जादेह ने सबसे पहले अस्सी के दशक में मिल्की-वे में चुंबकीय लड़ियों का पता लगाया था। तब से इनकी उत्पत्ति को लेकर एक बड़ा रहस्य बना हुआ था अब टेलीस्कोप से ली गई नई तस्वीर में दस गुणा ज्यादा लड़ियां दिखाई दे रही हैं। नई जानकारी से इन लड़ियों के रहस्य को सुलझाने में मदद मिलेगी।

मखाना, देसी घी और गुड़

सेहत के लिए है बेहद फायदेमंद

मखाना सेहत के लिए हर तरह से फायदेमंद है। इसी वजह से लोग मखाने का सेवन अलग-अलग तरीकों से करते रहते हैं। किसी को दूध में भीगे मखाने खाना पसंद है, तो किसी को झाई रोस्ट किये मखाने पसंद आते हैं। किसी को मखाने की खीर खाना भाता है, तो किसी को चीनी में लिपटे मखाने अच्छे लगते हैं। लेकिन आपको बता दें कि मखाना अगर देसी घी और गुड़ के साथ खाया जाये, तो इसके फायदे कई गुना बढ़ जाते हैं और ये सेहत के लिए एक नहीं बल्कि कई तरीकों से फायदेमंद हो सकता है बता दें कि मखाने में एंटी-ऑक्सीडेंट, आयरन, कैल्शियम, कार्बोहाइड्रेड, कार्ब्स, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम और विटामिन-बी जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। वहीं गुड़ कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, फोलिक एसिड और आयरन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। तो देसी घी में भी कैल्शियम, फॉस्फोरस, मिनरल्स, पोटैशियम और विटामिन ए, डी जैसे कई पोषक तत्व काफी मात्रा में मौजूद होते हैं। इसी वजह से इन तीनों का मिक्सचर सेहत को एक नहीं बल्कि कई तरह से फायदे पहुंचाता है।

कम करता है एंटी एजिंग का असर

आज कल की लाइफ स्टाइल में स्किन पर समय से पहले ही झुर्रियां पड़ने लगती हैं। मखाना, देसी घी और गुड़ का ये मिक्सचर आपको एंटी-एजिंग की दिक्कत से निजात दिलाने में भी मदद करता है। इन तीनों चीजों को साथ में खाने से एजिंग का असर कम होने लगता है और आपकी स्किन यंग एंड ग्लोइंग होने लगती है।

हड्डियों को मजबूती देता है

मखाना, घी और गुड़ का मिक्सचर आपकी हड्डियों को मजबूती देने का काम भी करता है। ये तीनों ही चीजें कैल्शियम से भरपूर होती हैं जो हड्डियों और जोड़ों में दर्द से राहत देने में भी मदद करती हैं। इतना ही नहीं मांसपेशियों के विकास में भी ये मिक्सचर काफी फायदा पहुंचाता है।

वजन कम करने में मददगार

मखाना, घी और गुड़ का मिक्सचर वजन कम करने में आपकी मदद कर सकता है। इन तीनों चीजों को साथ में खाने से आपका पेट भरा हुआ सा महसूस होता है और आपको बार-बार भूख का अहसास नहीं होता है। इतना ही नहीं इसमें मौजूद पोषक तत्व आपकी बॉडी में एनर्जी बनाये रखते हैं और आपके शरीर में कमजोरी नहीं आने देते हैं। साथ ही मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर बनाने का काम करते हैं।

इस तरह से तैयार करें मिक्सचर

मखाना, देसी घी और गुड़ का मिक्सचर बनाने के लिए आप सबसे पहले मखाने को छोटे-छोटे पीस में काट लें। फिर किसी बर्तन में देसी घी डालकर इसमें मखाने को कुछ देर भून कर अलग रख लें। इसके बाद किसी पैन में गुड़ को बारीक टुकड़ों में तोड़कर डालें और दो-तीन चम्मच पानी भी डाल दें। इसके बाद जब गुड़ अच्छी तरह से पिघल जाये तो इसमें भुने हुए मखाने डालकर थोड़ा सा घी भी डाल दें। इस मिक्सचर को धीमी आंच पर कुछ देर रहने दें और लगातार चलाते रहें। फिर किसी बर्तन में निकाल कर जब चाहें तब इसका सेवन करें

हंसना मना है

कोयल ने कौवे से पूछा : तुमने अभी तक शादी क्यों नहीं की? कौवा बोला : बिना शादी के ही जिंदगी में इतनी कांव-कांव है, शादी कर लूंगा तो पता नहीं क्या होगा?

छोटू एक दारू की दुकान पर गया और दारू की बोतल मांगने लगा। दुकानदार : दारू खत्म हो गई है कल आना। छोटू : लेकिन मुझे दारू आज ही चाहिए। दुकानदार : भाई गुस्सा क्यों होते हो, शांति से बात करो..... छोटू : तो ठीक है बुलाओ शांति को...

रामू ने एयरटेल के ऑफिस में फोन किया रामू : मेरे फोन का बिल बहुत ज्यादा आया है इतनी तो मैंने बात भी नहीं की है। मोनू (एयरटेल से) : अच्छा आपका प्लान क्या है? रामू : अभी तो मार्केट आया हुआ हूं। शाम को दारू पीऊंगा, आप अपना बताइये।

ट्रेन में लिखा था, बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री होशियार! उसी ट्रेन में चिंटू भी जा रहा था। उसने ये लाइन पढ़ी और बोला- वाह, जो टिकट न खरीदें वो होशियार हमने जो खरीद के रखी है तो हम बेवकूफ हैं क्या?

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

कहानी — बाबापुर की रामलीला

हर वर्ष दशहरे से पूर्व काशी की नाटक मंडली विजयनगर आती थी। सामान्यत: वे राजा कृष्णदेव राय तथा विजयनगर की प्रजा के लिए रामलीला किया करते थे। परंतु एक बार राजा को सूचना मिली कि नाटक मंडली विजय नगर नहीं आ रही है। इसका कारण यह था कि नाटक मंडली के कई सदस्य बीमार हो गए थे। यह सूचना पाकर राजा बहुत दु:खी हुए, क्योंकि दशहरे में अब कुछ ही दिन बाकी थे। इतने कम दिनों में दूसरी नाटक मंडली की भी व्यवस्था नहीं की जा सकती थी। पास में दूसरी कोई नाटक मंडली नहीं होने के कारण इस वर्ष रामलीला होने के आसार दिखाई नहीं पड़ रहे थे जबकि दशहरे से पूर्व रामलीला होना विजयनगर की पुरानी संस्कृति थी। महाराज को इस तरह दु:खी देखकर राजगुरु बोले, महाराज, यदि चाहें तो हम रामपुर के कलाकारों को संदेश भेज सकते हैं? परंतु, इसमें तो कुछ सप्ताह का समय लगेगा, राजा ने निराश स्वर में कहा। इस पर तेनालीराम बोले, महाराज, मैं पास ही की एक मंडली को जानता हूं, वे यहां दो दिन में आ जाएंगे और मुझे विश्वास है कि वे रामलीला का अच्छा प्रदशन करेंगे। यह सुनकर राजा प्रसन्न हो गए और तेनालीराम को मंडली को बुलाने की जिम्मेदारी सौंप दी गई, साथ ही मंडली के रहने व खाने-पीने की व्यवस्था का भार भी तेनाली के ही सुपुर्द कर दिया गया। शीघ्र ही रामलीला के लिए सारी व्यवस्था होनी शुरू हो गई। रामलीला मैदान को साफ किया गया। एक बड़ा-सा मंच बनाया गया। नवरात्र के लिए नगर को सजाया गया। रामलीला देखने के लिए लोग बहुत उत्सुक थे, क्योंकि इसके पूर्व काशी की नाटक मंडली के न आने की सूचना से वे काफी दु:खी थे, परंतु अब नई नाटक मंडली के आने की सूचना से उनका उत्साह दोगुना हो गया था। महल के निकट एक मेला भी लगाया गया था। कुछ ही दिनों में मंडली रामलीला के लिए तैयार हो गई। राजा, दरबारी, मंत्री व प्रजा प्रतिदिन रामलीला देखने आते। दशहरे के दिन की अंतिम कड़ी तो बहुत ही सराहनीय थी। मंडली में अधिकतर कलाकार बच्चे थे। उनकी कलाकारी देखकर लोगों की आंखों में आंसू तक आ गए। दशहरे के पश्चात राजा ने कुछ मंत्रियों तथा मंडली के सदस्यों को महल में भोजन के लिए बुलाया। भोजन के पश्चात राजा ने मंडली के सदस्यों को पुरस्कार दिया। फिर वे तेनालीराम से बोले, तुम्हें इतनी अच्छी मंडली कैसे मिली? बाबापुर से महाराज, तेनालीराम ने उत्तर दिया। बाबापुर! यह कहां है? मैंने इसके विषय में कभी नहीं सुना, राजा ने आश्चर्य से पूछा। बाबापुर विजयनगर के पास ही है, महाराज। तेनालीराम बोला। तेनालीराम की बात सुनकर मंडली के कलाकार मुस्करा दिए। राजा ने उनसे उनके इस प्रकार मुस्कराने का कारण पूछा तो मंडली का एक छोटा बालक सदस्य बोला, महाराज, वास्तव में हम लोग विजयनगर से ही आए हैं। तेनाली बाबा ने तीन दिन में हमें यह नाटक करना सिखाया था इसलिए इसे हम बाबापुर की रामलीला कहते हैं। यह सुनकर राजा भी खिलखिलाकर हंस पड़े। अब उन्हें भी बाबापुर के रहस्य का पता चल गया था।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आप रंगीले मूड में होंगे और आप की किसी आस-पास के व्यक्ति से मुलाकात होगी। हल्का-फुल्का रोमांस करना हानिकारक नहीं, पर इसको लेकर गंभीर ना हों।

वृषभ — एक दूसरे को और अच्छी तरह समझने का भी होगा। अर्थात आज का दिन आपके लिए वह मौका लेकर आएगा, जिसमें कि आप अपने साथी से अपने रिश्तों को और अधिक मजबूत कर सकें।

मिथुन — आज आप भाग्यवश ऐसे व्यक्ति से मिलेंगे जिसकी सोच व कार्य-शैली आपसे बहुत मिलती है। वैवाहिक जीवन के उजले पहलू का अनुभव करने के लिए अच्छा दिन है.

कर्क — इस समय का आनन्द उठाएं व शाम को साथी के साथ समय बिताने के लिए बाहर अवश्य जाएं। आपका मार्गदर्शक एवं सहयोगी व्यक्तित्व आपके प्रियजनों के लिये बहुत अच्छा साबित होगा।

सिंह — आप अतिरिक्त खुशी में मग्न होकर अपने साथी के लिए कुछ कर गुजरने की स्थिति में है। आज के दिन अपने साथी को कोई उपहार दे सकते हैं। आज आप अपने मन को शांत रखें। आपके बिगड़े काम बनेंगे।

कन्या — आज भावनाओं में बह जाने का दिन है। अत: बेहिचक अपने दिल की चाहतों को अपने साथी से कह डालें। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें।

तुला — आज के दिन साथी का पूरा साथ मिलेगा। काम-काज में जरूरत से ज्यादा तनाव के चलते परिवार की जरूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। अचानक धन लाभ होने की संभावना है।

वृश्चिक — आज आप अनावश्यक रूप से गलत, कड़वी बातें ना करें, कुछ कहने से पहले सोच लें। शांत रहकर अपने व्यवहार करने से लंबे समय में आप खुद को बचा पाएंगे। मन में शांति मिलेगी।

धनु — आज का दिन वायदे का दिन होगा व आप रोमांटिक मूड में रहेंगे। ऐसी जगह मिलने का कार्यक्रम बनाएं, जहां पर कोई व्यवधान ना हो और आप एक-दूसरे को समझ सकें।

मकर — साथी के साथ बिताए रोमांटिक क्षणों की यादों मे आज आप व्यस्त रहेंगे। यादें ना केवल आपको रोमांचित ही करेंगी वरन भविष्य में रोमांटिक मिजाज बनाने में सहायक सिद्ध होंगी।

कुम्भ — आपका आज का दिन अपने साथी के साथ प्रेम एवं उत्साह से बीतेगा। आज आप अपने आप को सामाजिक क्षेत्र में भी प्रेम से भरपूर पायेंगे। गाय को शाम के समय रोटी खिलाएं।

मीन — रोमांस से भरपूर आज का दिन एक विशेष दिन साबित होगा। अपने प्यार, मोहब्बत का गर्म जोशी से इजहार करें, वैसा ही जवाब आपको अपने साथी से मिलेगा।

बालीवुड | मन की बात

मैं खुशकिस्मत हूं कि लता जी ने मेरे लिखे गानों को अपनी आवाज दी : गुलजार

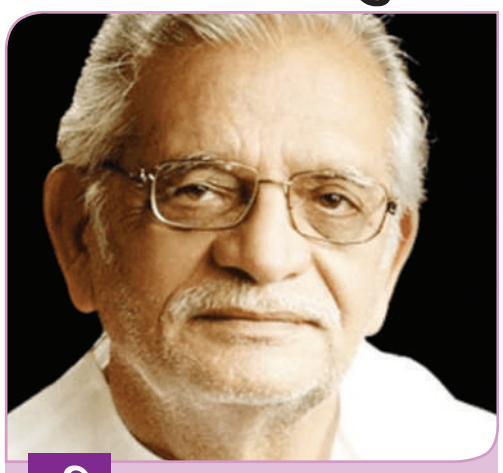

गीतकार गुलजार को लता मंगेशकर के साथ कई गानों को लेकर काम करने का सौभाग्य मिला। लता जी ने उनकी फिल्म 'लेकिन' को प्रोड्यूस भी किया था, जिसने कई राष्ट्रीय पुरस्कार जीते थे। इसमें एक मशहूर गाना 'यारा सीली सीली' भी है। एक खास बातचीत में गुलजार ने लता मंगेशकर के साथ काम करने के अपने अनुभवों के बारे में बताया। गुलजार कहते हैं मैं अपनी भावनाओं को शब्दों में बयां नहीं कर सकता, क्योंकि मैं उनके बारे में जितना भी बात करूंगा, वह कम ही होगा। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि वे यह दुनिया छोड़कर चली गई हैं। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मेरे लिखे शब्दों को लताजी ने अपनी मधुर आवाज में गाया। यह मेरे अच्छे कर्म हैं कि मैं उनके साथ काम कर सका। वे एक चमत्कार हैं और इस तरह का चमत्कार बहुत कम होता है। वे आगे कहते हैं लता जी भारत के इतिहास का हिस्सा रही हैं। उन्होंने देश और फिल्म इंडस्ट्री में कई बदलावों को देखा और उनका सामना किया है। मुझे याद है कि टेलीविजन बाद में आया था। रेडियो हुआ करता था और उनकी आवाज सुनकर लोग जागते थे। मैं भी लता जी की आवाज सुनकर जाग जाता था। वे हमारी रोजाना की जिंदगी का हिस्सा रही है। होली से लेकर ईद, दिवाली और शादी समेत हर त्योहार पर लता मंगेशकर का गाना बजता था।

हिंदी में रिलीज होगी रवि तेजा की खिलाड़ी

बॉलीवुड | रिलीज

बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा ने जिस तरह हिंदी में कमाई की है, उसे देखते हुए साउथ के बाकी एक्टर्स की फिल्मों को भी हिंदी में रिलीज करने के लिए कमर कस ली गई है। अल्लू अर्जुन की पुष्पा के हिंदी वर्जन ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया है, और वह भी कोरोना काल में। इसी को देखते हुए जब बॉलीवुड के बड़े सितारे फिल्में रिलीज करने से हिचक रहे हैं, ऐसे में तेलुगू के सुपरस्टार Ravi Teja की अगली फिल्म Khiladi की रिलीज को लेकर बड़ा ऐलान कर दिया गया है। रवि तेजा की फैन्स के बीच जबरदस्त लोकप्रियता को देखते हुए मास महाराजा भी कहा जाता है। उनकी डब की हुई फिल्में हिंदी दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं।

रवि तेजा की तेलुगू फिल्म खिलाड़ी 11 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। अब इस फिल्म को हिंदी में भी रिलीज किया जाएगा। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में रवि तेजा डबल रोल में नजर आएंगे। फिल्म को रमेश वर्मा ने डायरेक्ट किया है जबकि फिल्म के प्रोड्यूसर जयंतीलाल गाडा हैं। फिल्म रवि तेजा के अलावा मीनाक्षी चौधरी और डिंपल हयाती भी नजर आएंगी। रवि तेजा इससे पहले एसएस राजामौली की फिल्म विक्रामारकुडु में भी डबल रोल निभा चुके हैं।

बॉलीवुड में उनकी इस फिल्म का रीमेक राउडी राठौर के नाम से बना था, जिसमें अक्षय कुमार नजर आए थे। अब मास महाराजा की फिल्म हिंदी में रिलीज हो रही है। ऐसे में उन निर्माताओं के लिए मुश्किल आ सकती है जिन्होंने इस फिल्म के रीमेक पर नजरें टिकाए रखी होंगी। लेकिन यह देखना भी दिलचस्प होगा कि क्या रवि तेजा भी अल्लू अर्जुन जैसा प्यार बटोर पाते हैं।

अमीषा पटेल ने बेडरूम में दिखाया बेहद बोल्ड अंदाज

बालीवुड | गपशप

अमीषा पटेल पिछले कुछ समय से बेशक किसी फिल्म में न दिखी हों, लेकिन वह अपनी सोशल लाइफ के कारण अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। अमीषा पिछले कुछ समय से अपनी बोल्डनेस से सभी के होश उड़ा रही हैं। लगभग हर दिन उनका बेहद बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। अब फिर अमीषा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। दरअसल, अमीषा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी पोस्ट में खासतौर पर उनके वैकेशन्स की झलक देखने को मिलती है, जहां वह बोल्ड अंदाज में दिखती हैं। हाल ही में अमीषा ने इंस्टाग्राम पर अपना एक छोटा सा वीडियो शेयर किया है। यहां काफी डिम लाइट दिख रही है। इसमें अमीषा को बेड पर आराम से बैठे देखा जा रहा है। अमीषा के इस वीडियो में कुछ भी साफ दिखाई नहीं दे रहा। यहां वह डीपनेक शॉर्ट पहने हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने इस वीडियो को अपने फोन से बनाया है। अब फैंस उनके इस वीडियो को भी काफी पसंद किया जा रहा है। दूसरी ओर लोग उनके इस बोल्ड अवतार को देखकर भी काफी हैरान रह गए हैं। इसे पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस ने इसके साथ गुड नाइट लिखा है। दूसरी ओर अमीषा के वर्क फ्रंट की बात करें तो जल्द ही उन्हें गदर2 में देखा जाने वाला है। इस फिल्म में वह एक बार फिर से सनी देओल के साथ नजर आएगी। यह फिल्म 2001 में रिलीज हुई फिल्म गदर का सीक्वल है।

अजब-गजब | आदिवासियों से डरकर भाग आए थे पुलिस वाले

भारत के इस खौफनाक इलाके पर 200 सालों में भी कब्जा नहीं कर पाए थे ब्रिटिश

हमारे देश में भी ऐसे कई इलाके हैं जो आज भी आम आदमी की पहुंच से दूर हैं। यही नहीं, सरकार भी इन इलाकों में हस्तक्षेप नहीं करती। इस इलाके के पर 200 साल तक भारत पर राज करने वाले ब्रिटिश भी कब्जा नहीं कर पाए थे। ये इलाका है अंडमान निकोबार द्वीप समूह में स्थित नॉर्थ सेंटिनल द्वीप। ये द्वी इतना खतरनाक है कि यहां जाने वाला इंसान वापस लौटकर नहीं आता। साल 2018 के नवंबर महीने में अमेरिकी मिशनरी जॉन ऐलन चाउ को वहां के आदिवासियों ने मौत के घाट उतार दिया था। चाउ को आखिरी बार वहां 17 नवंबर को देखा गया था। इसके बाद अमरीकी नागरिक के शव लाने गई पुलिस आदिवासियों का खौफनाक रूप देखकर खाली हाथ लौट आई थी। आदिवासियों के हाथ में तीर-धनुष देखकर पुलिस डर गई थी।

पुलिस के जवानों ने दूरबीन से देखा था तो ये आदिवासी तीर-कमान लेकर तैनात थे। इसके बाद पुलिस ने उनसे बिना टकराए हाथ पीछे खींच लिए थे और उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा था। जारवा और सेंटिनली नामक प्रजाति वाले इन आदिवासियों का खौफ पुलिसवालों में यूं ही नहीं है। ये वो आदिवासी हैं जिनसे टकराने की हिम्मत ब्रिटिश हुकूमत में भी नहीं थी। ब्रिटिश हुकूमत ने इन

रहस्यमयी आदिवासियों से टकराने की हिमाकत भी की थी, लेकिन 200 सालों में वह कभी इन इलाकों में कब्जा नहीं कर पाई। अंडमान-निकोबार द्वीप-समूह के भारत का हिस्सा बनने से बहुत पहले ब्रिटिश हुकूमत ने यहां के मूल निवासियों से निपटने की कई बार नाकाम कोशिश की थी, लेकिन उन्हें निराशा हाथ लगी थी।

बता दें कि 19वीं सदी के आखिर में ब्रिटिश प्रशासन ने इन आदिवासियों को हद से ज्यादा बर्बर मानते हुए इनकी पूरी आबादी को खत्म करने का विचार किया था। लेकिन कुछ बुद्धिमान सलाहकारों के दखल के बाद इन आदिवासियों को बाकी दुनिया से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। तत्कालीन ब्रिटिश अधिकारी एम वी। पोर्टमैन ने 1899 में आई अपनी किताब 'A History of Our Relations with the Andamanese' (अंडमानियों के साथ हमारे रिश्तों का इतिहास) में कुछ ऐसी ही घटनाओं का जिक्र किया है।

किताब बताती है कि कैसे ब्रिटिश हुकूमत की नीति दो चरमपंथी ध्रुवों के बीच डगमगाती रही। मार्च 1896 में जारवा कबीले के तीन आदिवासियों ने अंडमान के जंगल में काम करने वाले कैदियों पर हमला कर दिया था। हमले में एक कैदी की दर्दनाक मौत हो गई थी। एमवी पोर्टमैन की किताब लॉन्च होने से करीब एक दशक पहले भी इन अंडमानियों का ऐसी जगह जिक्र हुआ था। 1890 में लॉन्च हुए अपने नॉवेल The Sign of Four में लेखक आर्थर कॉनन डॉयल एक काल्पनिक अंडमानी आदिवासी टोंगा के बारे में लिखते हैं कि उसे एक नमूने के तौर पर इंग्लैंड लाया गया था।

शौक हो तो ऐसा, हफ्ते में 2 दिन प्लाज्मा डोनेट करती है लड़की

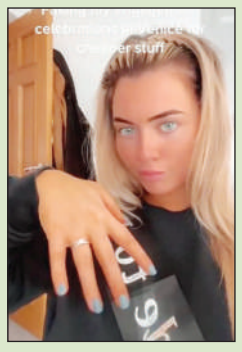

कहते हैं कि शौक इतना बड़ा जुनून होता है कि इंसान इसके लिए कुछ भी कर सकता है। इस बात को साबित कर दिखाया है लिज ग्रैमलिच नाम की एक लड़की ने, जो हर हफ्ते दो बार प्लाज्मा डोनेट करती है। इस काम के पीछे उसने जो वजह बताई है वो वाकई आपको दंग कर देगी। क्या कोई अपने शौक पूरे करने के लिए प्लाज्मा डोनेट कर सकता है? लिज ग्रैमलिच ने अपने इस अजीबोगरीब शौक के बारे में जानकारी दी है। लड़की का कहना है कि साल 2022 में उसने ये संकल्प लिया है कि वो अपने खून से प्लाज्मा डोनेट करके पैसे कमाएगी और उससे अपने शौक पूरे करेगी। वैसे ये तरीका अगर आपको अजीब लग रहा है तो इससे भी कहीं ज्यादा अजीब है लड़की की हॉबी, जिसे वो इस पैसे से पूरा करना चाहती है। हर कोई नए साल पर अपने लिए कुछ रिजॉल्यूशन लेता है। लिज ग्रैमलिच ने संकल्प लिया कि वो हर महीने अपने पसंदीदा डिज्नीलैंड जाएगी। लड़की अपने वीडियो में डिज्नीलैंड में ही दिखाई दे रही है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए उसके पैसा कमाने का साइड बिजनेस शुरू किया। ये बिजनेस था कि हफ्ते में 2 बार प्लाज्मा डोनेशन सेशन के लिए पहुंचना। इसके ज़रिये वो महीने में 700 यानी 52 हजार रुपये से भी ज्यादा पैसे कमा लेती है। लड़की को एक सेशन में करीब एक घंटे का वक्त लग जाता है, यानी 2 घंटे में वो इतने पैसे कमा लेती है। लोग लड़की की ये बातें सुनकर हैरान हो रहे हैं। लड़की ओरलैंडो में रहती है, ऐसे में वो करीब 3700 रुपये की फ्लाइट लेकर फिलाडेल्फिया पहुंचती है और फिर वहां से डिज्नीलैंड आती है। चूंकि अमेरिका में प्लाज्मा डोनेशन पर लोगों को पैसे मिलते हैं, ऐसे में कई लोगों ने लड़की से इस बारे में जानकारी लेनी शुरू कर दी तो वहीं ब्रिटेन के लोगों ने इस पर निराशा जाहिर की है कि उनके देश में ऐसा करने पर पैसे नहीं मिलते। लड़की ने बताया कि उसे हफ्ते में पहली बार करीब 3000 और फिर दूसरे सेशन पर करीब 8000 रुपये मिल जाते हैं। इसी तरह सेशन बढ़ने के साथ उसका बोनस भी बढ़ता जाता है।

थमने लगी कोरोना की रफ्तार लगातार कम हो रहे केस

गीताश्री

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण थमता दिख रहा है। नए केसों में लगातार गिरावट जारी है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 67,597 नए मामले सामने आए हैं। हालांकि, इस दौरान 1,188 लोगों की कोरोना से मौत भी हुई है। लगातार दूसरे दिन देश में एक लाख से कम संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं इस दौरान 1,80,456 मरीज कोरोना से ठीक हुए हैं।

देश में अब कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 10 लाख से कम हो गई है। कोरोना के अभी 9,94,891 एक्टिव केस हैं। वहीं, कुल मामले बढ़कर 4,23,39,611 हो गए हैं। अब तक 4,08,40,658 लोग कोरोना से रिकवर हो चुके हैं। वहीं, कुल 5,04,062 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। डेली पाजिटिविटी दर में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है। डेली पाजिटिविटी दर अब घटकर 5.02 फीसदी हो गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने बताया कि भारत में कल कोरोना वायरस के लिए 13,46,534 सैंपल टेस्ट किए गए, कल तक कुल 74,29,08,121 सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

1188 लोगों की मौत, 10 लाख से कम हुए सक्रिय मामले

» चौबीस घंटे में 67,597 नए मामले दूसरे दिन आए एक लाख से कम केस

लखनऊ में तेजी से गिर रहा ग्राफ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में कोरोना वायरस के मामलों में तेजी से गिरावट दर्ज की जा रही है। हालांकि, राजधानी में मौत का सिलसिला बंद नहीं हो रहा है। सोमवार को जहां 423 नए संक्रमित मिले। वहीं, एक मरीज ने संक्रमण से दम तोड़ दिया। इसके अलावा 661 मरीजों ने संक्रमण से मुक्त हुए हैं। वहीं सक्रिय मामलों की संख्या 4280 पर आ गई है। सर्दी- जुकाम और बुखार जैसे हल्के लक्षणों के बाद कोरोना वायरस की जांच करवाने वालों में से 107 व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने वाले कांटैक्ट ट्रेसिंग में 98 व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। वहीं, यात्रा कर वापस लौटे 44 यात्रियों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। अलग-अलग अस्पतालों में सर्जरी और इलाज से पहले कोरोना वायरस की जांच करवाने वालों में से आठ व्यक्ति संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा विभिन्न अस्पतालों के सात स्वास्थ्य कर्मचारी भी संक्रमित मिले हैं।

ट्रक ने बाइक सवार भाई-बहन को रौंदा, युवती की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» चालक गिरफ्तार, परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर। मुस्तफाबाद बाजार में सोमवार को सड़क हादसे में एक युवती की जान चली गई। ट्रक ने बाइक सवार भाई-बहन को टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रक चालक सड़क पर गिरी युवती को रौंदते हुए भाग गया। घटना में युवती की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक चला रहा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों मंदिर जा रहे थे। जहां युवती की शादी के बाबत लड़के पक्ष के लोग उसे देखने के लिए पहुंचे थे। मंदिर में युवती की जगह उसकी मौत की खबर पहुंची तो परिजनों में कोहराम मच गया। इधर, पुलिस ने आरोपी चालक और ट्रक को कब्जे में ले लिया।

मछलीशहर कोतवाली क्षेत्र के मतरी गांव निवासी प्रमोद पाल अपनी बहन आराधना पाल (20) को शादी के सिलसिले में सुजानगंज के गौरी शंकर मंदिर ले जा रहा था। भाई-बहन बाइक से मुस्तफाबाद बाजार में पहुंचे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। इससे बाइक लेकर प्रमोद गिर पड़ा जबकि आराधना ट्रक के चक्के के नीचे आ गई। मौके पर जुटे लोगों ने घायलों को आनन-फानन मछलीशहर स्थित अस्पताल पहुंचाया जहां आराधना को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही मृतका के चाचा कैलाश नाथ की तहरीर पर कोतवाली मछली शहर में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। ट्रक और उसके चालक श्रीकांत केवट को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पंजाब में मुख्य मुकाबला कांग्रेस व आप के बीच: सिद्धू

» मैं जितना हाईकमान के साथ, उससे दोगुना पंजाब के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि पंजाब में इस बार मुख्य मुकाबला कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच है। यह चुनाव हक-हलाल और हराम के बीच की लड़ाई है। एक तरफ माफिया है और दूसरे तरफ मेरे जैसे लोग खड़े हैं। उन्हें कभी नकद-नारायण की इच्छा नहीं थी।

उन्होंने कहा कि पंजाब को बदलने की इच्छा थी और इसके लिए उनकी जंग जारी रहेगी। जरूरी नहीं है कि इसके लिए ओहदा हो। चन्नी को सीएम चेहरा घोषित करने के बारे में कहा कि यह हाईकमान को तय करना था जो उन्होंने किया है, वह स्वीकार है। हालांकि भले ही पॉलिसी की लड़ाई हो, जवाबदेही की लड़ाई हो, पंजाब के लोगों का जीवन बदलने की बात हो, उस राह पर सिद्धू चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस हाईकमान के साथ था, हूं और रहूंगा। इस सवाल पर कि वह चन्नी के साथ हैं या हाईकमान के साथ? सिद्धू ने कहा, मैं पहले दिन से ही हाईकमान के साथ हूं। उनके हर फैसले को मानता हूं। मैं जितना हाईकमान के साथ हूं, उससे दोगुना पंजाब के लोगों के साथ हूं। अपने 'पंजाब मॉडल' का जिक्र करते हुए कहा कि यह मॉडल सबका साझा है। यह सिर्फ सिद्धू का नहीं है। पंजाब मॉडल में से जिसे कोई भी चीज अच्छी लगे, ले सकता है। वह पंजाब मॉडल को फेसबुक पर डालेंगे। कांग्रेस हाईकमान को भी वह पंजाब मॉडल सौंप चुके हैं।

मतदान से पहले होगी कोविड जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। विधानसभा चुनाव में कोरोना के बढ़ते मामले को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। प्रशिक्षण के समय जहां मतदानकर्मियों को जहां जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर जहां आयुष किट जहां दिया जा रहा है वहीं मतदान कर्मियों को आम जन को कोविड से सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य विभाग देवरिया जिले के 2733 बूथों पर कोविड हेल्प डेस्क बनाएगा। जिसमें तैनात आशा कार्यकर्ता मतदान के लिए पहुंचे प्रत्येक व्यक्ति के बुखार की जांच करेगी। बुखार होने की स्थिति में सबसे अंत में मतदान करने का अवसर उन्हें दिया जाएगा। कोविड हेल्प डेस्क पर आशा कार्यकर्ता तैनात रहेगी। बूथ परिसर में उनके पास मास्क, सैनिटाइजर, बुखार की दवा के साथ ही इन्फ्रारेड थर्मामीटर उपलब्ध रहेगा। अगर कोई भी मतदाता वोट डालने के लिए आता है तो उसका इन्फ्रारेड थर्मामीटर से बुखार की जांच करेगी। बुखार की पुष्टि होने पर उन्हें आधा घंटा वहीं बैठा लिया जाएगा। आधा घंटे बाद फिर से बुखार की जांच की जाएगी।

सीएम चन्नी के भतीजे ने माना

रेत खनन व तबादलों के लिए मिले थे 10 करोड़

» ईडी ने किया दावा, छापेमारी में मिली थी भारी मात्रा में नगदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। पंजाब के मुख्यमंत्री और कांग्रेस का सीएम चेहरा चरणजीत सिंह चन्नी के भतीजे भूपिंदर सिंह उर्फ हनी ने कुबूल किया है कि उसने राज्य में अधिकारियों के तबादलों और रेत खनन के बदले 10 करोड़ रुपये नकद लिए थे। यह दावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने किया। हनी को केंद्रीय जांच एजेंसी ने 3 फरवरी को जालंधर से गिरफ्तार किया था। यह कार्रवाई पंजाब में रेत खनन में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत की गई थी।

18 जनवरी को हनी और अन्य लोगों के खिलाफ छापे की कार्रवाई की थी और उनके परिसरों से 7.9 करोड़ नगद और हनी से जुड़े संदीप कुमार नामक व्यक्ति के यहां से करीब 2 करोड़ जब्त किए थे। एजेंसी ने कहा कि ईडी ने छापे के दौरान कुदरतदीप सिंह, भूपिंदर सिंह उर्फ हनी, हनी के पिता संतोख सिंह और संदीप सिंह के बयान रिकॉर्ड किए थे। इससे यह पता चला कि जब्त किए गए 10 करोड़ रुपये भूपिंदर सिंह के थे। इसके अलावा भूपिंदर ने यह भी स्वीकार किया कि जब्त रकम उसे अधिकारियों की तैनाती, तबादले और रेत खनन के बदले में मिली थी।

गठबंधन पर बरसे बालियान, बोले

राजशाही या प्रजातंत्र में से एक चुनना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। बागपत के पुसार में भाजपा प्रत्याशी सहेंद्र के लिए केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने जनसभा को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने कहा कि इस बार विधान सभा चुनाव में राजशाही या प्रजातंत्र में किसी एक को चुनना है। सपा अपनी बंदूक को रालोद के कंधे पर रखकर चला रही है इसलिए सभी को सतर्क रहना होगा।

केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली, पानी, सड़कें आदि विकास कार्यों को रफ्तार दी गई है जबकि पूर्व की सरकारों में विकास कार्य की जगह घोटालों की झड़ी लगती थी। केंद्र की कांग्रेस सरकार में जब चौधरी अजित सिंह भी थे, तब टूजी, फोर जी व खनन आदि घोटाले हुए हैं। मुजफ्फरनगर में सचिन गौरव की याद दिलाते हुए कहा कि उसे भूल मत जाना। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि योगी सरकार में गुंडों के खिलाफ कार्रवाई और योग्यता के आधार पर नौकरियां दी हैं।

खतरे में वेस्ट यूपी में मोदी की ब्रांडिंग

बीजेपी की जनसभाओं में भीड़ न होने से कार्यक्रम रद्द करने का बना रहे बहाना

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे नजदीक आ रही हैं, बीजेपी के दिल की धड़कनें बढ़ती जा रही हैं। पीएम मोदी वेस्ट यूपी में बिजनौर का दौरा करने वाले थे मगर खराब मौसम का हवाला देते हुए अचानक दौरा रद्द दिया। सवाल ये है कि क्या यूपी में भाजपा की हालत देखकर मोदी यूपी से दूर रहना चाहते है? ये बातें निकलकर सामने आईं वरिष्ठ पत्रकार केपी मलिक, श्वेता आर रश्मि, चिंतक सीपी राय, प्रो. रविकांत, प्रो. लक्ष्मण यादव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सीपी राय ने कहा वेस्ट यूपी में देवबंद में छात्राओं ने खुद को ठगा महसूस किया। इनकी जनसभाओं में लोग नहीं आ रहे। डर के माहौल के कारण पीएम सावधान हो गए हैं। बेरोजगार सब इनके खिलाफ हैं। केपी मलिक ने कहा पिछली बार वेस्ट यूपी में जब पीएम की ताबड़तोड़ रैलियां हुई थी तो कहा था कि 14 दिन में गन्ने का भुगतान करेंगे मगर पांच साल में कोई वादा पूरा नहीं किया। किसानों की शहादत पर भी चुप रहे, इससे पश्चिम में किसानों के मन में टीस है। श्वेता आर रश्मि ने कहा अगर अच्छे परिणाम आए तो मोदी और हार गए तो योगी मगर सच्चाई यह है कि मोदीजी के पास अब जवाब नहीं है क्योंकि जनता सड़कों पर है। प्रो. रविकांत ने कहा मोदी की जो पॉलिटिक्स है 2012 के बाद वो ब्रॉन्डिंग की बदौलत है, मगर अब वक्त बदल गया है। आज पश्चिम में उनकी ब्रॉन्डिंग पर खतरा है। प्रो. लक्ष्मण यादव ने कहा कि लोगों को ये समझ में आने लगा हैं कि बीजेपी जुमला देने में नंबर वन है। महंगाई नहीं घटी, रोजगार नहीं मिला। भाजपा के लिए मौसम खराब है।

गंगा में तैरती लाशों का सच दिखाते हुए 4PM के संपादक ने एनजीटी को भेजा था नोटिस पर सरकार ने कर लिया मैनेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

एनजीटी को नोटिस भी मिला पर केंद्र सरकार को नहीं मालूम गंगा में लाशें कहां से आईं

मोदी सरकार का जवाब सुनकर सपा, आप आरएलडी व कांग्रेस ने बीजेपी को घेरा

लखनऊ। भारत में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान जब कोरोना अपने चरम पर था तो श्मशानों में जगह न मिलने के कारण लोगों ने कोरोना से मारे गए लोगों के शवों को गंगा में बहा दिया था। नदी में बहते शवों को देखकर देश स्तब्ध रह गया था। इससे न सिर्फ देश में कोविड से मृत्यु के वास्तविक आंकड़ों पर संदेह पैदा हुआ, बल्कि पानी से वायरस फैलने का डर भी बढ़ गया था। ऐसे में एक जागरूक नागरिक व 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने 24 मई 2021 को एनजीटी को सारे सबूतों के साथ नोटिस दिया था कि गंगा में लाशें बहायी जा रही है, तुरंत इस मामले में कार्रवाई की जाए।

नोटिस की कॉपी बाकायदा यूपी के तत्कालिक मुख्य सचिव को भी दी गयी थी कि कोविड के चलते नदियों के किनारे कोविड शवों का अंतिम संस्कार करने से नदियों का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। इस पर तत्काल रोक लगे। साथ ही लाशें बहाए जाने का मामला सरकार संज्ञान में ले। मगर नौ महीने बाद केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि उसे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि कितने शवों को गंगा में फेंका गया था। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन द्वारा पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए जल शक्ति मंत्रालय ने संसद में कहा था कि कोविड से मारे गए लोगों के शव जो गंगा में फेंके गए, उनकी संख्या के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। हालांकि केंद्र ने कोविड-19 प्रोटोकॉल के साथ शवों का उचित तरीके से अंतिम संस्कार करने के लिए राज्यों को कहा था।

नदियों के किनारे अंतिम संस्कार रोकें

4पीएम अखबार के संपादक संजय शर्मा ने कोविड की दूसरी लहर के दौरान एनजीटी को प्रत्यावेदन देकर यूपी व बिहार में कोविड से मरे लोगों के अंतिम संस्कार में 15 मार्च 2020 को केंद्र सरकार द्वारा जारी प्रोटोकॉल का पालन कराने की मांग की। साथ ही पर्यावरण दूषित होने पर भी पर्यावरण को सहेजने व बचाने के सवाल उठाए। इसके अलावा नदियों के किनारे बसे लोगों का मेडिकल चेकअप कराने की बात भी कही।

"गंगा में तैरती लाशों की खबरें, वीडियो क्या सब झूठे थे। योगी सरकार ने किनारों पर बहकर आए शवों को क्यों गंगा किनारे दफन करवाया। भाजपा के झूठ का जवाब जनता 10 मार्च को दे देंगी, जब बीजेपी सत्ता से बाहर होगी।

-डॉ. आशुतोष, प्रवक्ता, सपा

"झूठ बोलना भाजपा की पुरानी आदत है। झूठ बोलना कोई बीजेपी के नेताओं से सीखे। दूसरी लहर में गंगा में तैरती लाशें दुनियाभर ने देखा है। भाजपा ने संसद में झूठा जवाब देकर जनता के साथ भद्दा मजाक किया है।

-रोहित अग्रवाल, राष्ट्रीय प्रवक्ता, आरएलडी

"ऑक्सीजन के अभाव में किसी की मौत नहीं हुई, यह झूठा बयान भी संसद में भाजपा ने बोला था और अब गंगा में बहाए गए शवों की संख्या के बारे में इनके पास जानकारी नहीं। अरे भाजपा वालों कम से कम खुदा या भगवान से तो डरो, ऊपर भी जवाब देना है।

-रफत फातिमा, कांग्रेस नेता

"दूसरी लहर में नदी में बहते शवों को देखकर पूरा देश स्तब्ध रह गया था। मगर भाजपा की आंखें अब तक नहीं खुली। जो सरकार संसद में झूठ बोलने की आदी हो, प्रदेश की जनता यूपी चुनाव में उसका सफाया कर देगी।

-रितेश कुमार, प्रवक्ता, आम आदमी पार्टी

हस्तिनापुर में प्रियंका गांधी, मवाना में रोड शो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा आज मेरठ के हस्तिनापुर पहुंचीं। प्रियंका यहां मवाना में रोड शो करेंगी। यहां कांग्रेस प्रत्याशी माडल व अभिनेत्री अर्चना गौतम के लिए डोर टू डोर जनसंपर्क करेंगी।

इससे मेरठ जनपद की सभी विधानसभा सीटों से चुनाव लड़ रहे कांग्रेस प्रत्याशियों का उत्साह बढ़ गया है। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट भी उनके साथ हैं। प्रियंका वाड्रा का इस चुनाव में मेरठ जनपद का यह पहला कार्यक्रम है। वह हस्तिनापुर-मवाना में डोर टू डोर जनसंपर्क कर मेरठ की सभी सीटों की राजनीति को साधेंगी। इससे पहले कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना गौतम ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी किया, इसमें प्रियंका वाड्रा के साथ राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के आने की भी जानकारी दी है। पश्चिमी यूपी में अन्य दलों के स्टार प्रचारकों के पहुंचने का सिलसिला काफी दिनों से जारी है, लेकिन कांग्रेस से अभी तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और गुजरात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हार्दिक पटेल ही प्रचार के लिए मेरठ आए हैं।

» कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना गौतम के लिए डोर टू डोर जनसंपर्क

यूपी के विकास को लेकर भाजपा संकल्पित : शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने आज लखनऊ में लोक कल्याण संकल्प पत्र जारी किया है। गृह मंत्री अमित शाह के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने भाजपा के दिग्गजों के साथ इसको जारी किया। इस अवसर पर अमित शाह ने भाजपा तथा अन्य दलों के काम के अंतर को भी समझाया। भाजपा का संकल्प पत्र जारी करने के बाद अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने इसको संकल्प का नाम दिया है।

» भाजपा घोषणा नहीं, संकल्प पत्र जारी करती है

उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी काम को लेकर सिर्फ घोषणा तक ही सीमित नहीं रहती है। भाजपा देश तथा यूपी के विकास को लेकर संकल्पित है। भाजपा ने आज जिसको जारी किया है यह सिर्फ एक घोषणा पत्र नहीं है, यह तो यूपी सरकार का संकल्प है। इससे पहले 2017 के भाजपा के संकल्प पत्र में 212 संकल्प थे, जिनमें से 92 पूरे हो चुके हैं। हम वही करते हैं जो हम कहते हैं। अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ ने लगभग 86 लाख लघु और सीमांत किसानों का 36 हजार करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है। इसके साथ किसानों को लगभग 4.72 लाख करोड़ रुपए का ऋण उपलब्ध कराने का काम किया है।

शीतलहर के बीच निकली धूप से राहत, बारिश के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में हल्के कोहरे और सर्द हवाओं के बीच आज सुबह निकली धूप ने लोगों को राहत का एहसास कराया। वहीं मौसम विभाग ने मौसम शुष्क रहने के साथ ही कोहरे और पूर्वी यूपी में शीतलहर की चेतावनी जारी की है। विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अफगानिस्तान से होकर पाकिस्तान से होते हुए जम्मू-कश्मीर से आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण बुधवार को प्रदेशभर में हल्की बारिश होने के आसार हैं। वहीं, 10 फरवरी को मुख्यत: मौसम साफ रहेगा, लेकिन पूर्वी यूपी के कुछ जिलों में हल्की बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के निदेशक जेपी गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को मौसम साफ रहेगा। दिन में तापमान में वृद्धि दर्ज की जा सकती है। इसके बाद नौ और 10 फरवरी को बारिश हो सकती है।

योगी सरकार ने गुंडों की छाती पर चलाया बुलडोजर : स्वतंत्र देव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने आज फिर विपक्ष पर निशाना साधा। राजधानी में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा सपा में गुंडे, भ्रष्टाचारियों और माफियाओं का बोलबाला था। बहन बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। आज प्रदेश विकास के मामले मे निरंतर आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रवाद, विकास और धार्मिक एजेंडे पर जोर देते हुए स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने माफियाओं की छाती पर बुलडोजर चलाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश कह रहे हैं कि हम आ रहे हैं। क्या पटेल की मूर्ति तोड़कर जिन्ना की मूर्ति लगवायेंगे, राम मंदिर तुड़वायेंगे। आजम, मुख्तार और अतीक को छुड़वाने आ रहे हैं। उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष ने कहा कि मौसेरे-चचेरे भाइयों की पार्टियां हाय-हाय की राजनीति कर रहीं हैं। दस मार्च के बाद प्रदेश की जनता इन्हें बाय-बाय कहेगी। उन्होंने कहा कि पूरा सैफई खानदान प्रदेश को बेचने में लगा था। उन्होंने कहा कि साइकिल, हाथी और पंजे पर नहीं, लक्ष्मी कमल पर बैठ कर आती हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।